लिपस्टिक
बिना कहे, सब कुछ कहें

सौन्दर्य प्रसाधनों में लिपस्टिक को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। लिपस्टिक का सही प्रयोग करके आप अनाकर्षक होंठों को भी खूबसूरत बना सकते हैं। यहां हम (कंस्यूमर वॉयस) कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं बल्कि एक बार उस अध्ययन को दोहरा रहे हैं जो कि लिपस्टिक पर मैनचेस्टर विश्वविद्यालय द्वारा किए गया था, जिसमें भारत सौंदर्य बढ़ाने के उत्पादों का सबसे बड़ा बाज़ार है। CAGR के अनुसार भारत में 1,600 करोड़ रुपये का सौन्दर्य रंगों का बाज़ार है जिसमें आठ फ़ीसदी कारोबार पिछले दो साल में ही बढ़ा है, इस कारोबार में भी लिपस्टिक उत्पाद सर्वाधिक 42 फ़ीसदी बिकता है। लिपस्टिक के तेजी से बढ़ते बाज़ार को देखते हुए ही 'कंस्यूमर वॉयस' ने इसके प्रचलित ब्रांड की तुलनात्मक जांच की। जिसमें उनके दावे, मानक और गुणवत्ता को परखा गया।

पेश है कंस्यूमर वॉयस की रिपोर्ट

लिपस्टिक एक ऐसा उत्पाद है जिसकी कीमत को लेकर काफी संवेदनशीलता है, भारत में कुछ लिपस्टिक की कीमत 125 से 350 तक है (कुछ लोकल ब्रांड कम से कम 50 रुपये से लेकर 900 रुपये तक में मिलते हैं) सामान्यतः इन्हें निर्माण करने के लिए इस्तेमाल में लाई जाने वाली सामग्री में मुख्य घटक– रंगद्रव्य और मधुमोम जो कि स्वीकृत होते हैं, ये बहुत महंगे नहीं होते। लिपस्टिक के रंग और शेड के उपभोक्ताओं के लिए बहुत सारे विकल्प हाते हैं। लिपस्टिक में सुगंध बहुत अधिक मायने नहीं रखती, अधिकतर ब्रांड में सुगंध/खुशबू बहुत हल्की मात्रा में होती है। लिपस्टिक की सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली विशेषता है कि उसे लगाने के बाद होठों की सुंदरता बढ़ जाती है। आज समाज में सुन्दर दिखना हर युवती की चाहत होती है, इसके लिए वह तरह–तरह के सौन्दर्य प्रसाधनों का प्रयोग भी करती है जिसमें लिपस्टिक सबसे महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

कंस्यूमर वॉयस ने भारत में सर्वाधिक बिकने वाले लिपस्टिक के ब्रांड चुने, खुदरा बाज़ार से खरीदकर उन्हें NABL प्रमाणित प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिया। हमने इसके लिए कई मापदंड जो कि भारतीय मानक IS:9875:2005 के आधार पर प्रयोगशाला में जांच की जाती है इसके अलावा कुछ अन्य जरूरी मापदंड भी जांच के लिए अपनाए गए जो उपभोक्ता के लिहाज़ से जरूरी थे।

लिपस्टिक

कंस्यूमर वॉयस इन्हें खरीदने की सिफारिश करता है/सबसे बेहतर परफोर्मेंस के लिए

लैक्मे

इसके अलावा

एली–18/7 हैवेन

कीमत के आधार पर बेहतर

एली–18

इसके अलावा

लैक्मे

जांच के मुख्य परिणाम

- समग्र कार्यनिष्पादन में लैक्मे (86 फीसदी) सबसे अच्छा ब्रांड पाया गया इसके बाद एली–18 (84 फीसदी) और 7 हैवेन (82 फीसदी)
- संवेदी जांच में, ब्रांड एली–18 ने सबसे अच्छा कार्यनिष्पादन किया, इसके बाद कलरबार और लोटस हर्बल।
- कलरबार ब्रांड लिपस्टिक की खपत एक बार के प्रयोग में सबसे कम लगी, सबसे ज़्यादा खपत ब्लू हैवेन।
- सभी ब्रांड अणुजीवी से मुक्त और भारी धातुओं के प्रयोग के मामले में सुरक्षित रहे।
- एली–18 सबसे सस्ता ब्रांड होने के बावजूद जांच में दूसरे स्थान पर रहा।
- ब्लू हैवेन, मैक और कैम्लिओन ब्रांड में दिए गए वज़न से कम मात्रा पाई गई।
- लिप्स, मैक, मिलिन ने बैच नंबर व एमआरपी नहीं दी और लोटस हर्बल ने एमआरपी नहीं दी थी। /

संवेदी जांच में सबसे बेहतर

एली–18

इसके अलावा

कलरबार और लोटस हर्बल

स्टिक, ग्लोज़, लाइनर, स्टेन

लिपस्टिक

यह सुंदरता बढ़ाने का उत्पाद है जिसमें रंगद्रव्य, तेल, मोम और उपसात्वक जो कि रंग के लिए होता है, टैक्सचर और होठों की सुरक्षा के लिए जरूरी सामग्री।

लिप ग्लोज़

इसका इस्तेमाल होठों पर निखार/चमक देने के लिए और कई बार सूक्ष्म रंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह थोड़ा तरल या फिर हल्का नरम (लिपबाम की तरह नहीं जिसका प्रयोग सामान्यत होठों की दवा के रूप में या फिर नरम बनाए के लिए होता है) यह एकदम साफ है कि यह होठों पर उभार के लिए, चमक देने के लिए, शाइनिंग/फिनिशिंग के लिए प्रयोग किया जाता है।

लिप लाइनर

इसे लिप पेंसिल के रूप में भी जाना जाता है। इसका इस्तेमाल होठों के बाहरी किनारों पर आउटिंग के लिए प्रयोग किया जाता है। लिप लाइनर का इस्तेमाल लिपस्टिक लगाने के बाद उससे अधिक गहरे शेड से होठों की आउट लाइन बनाई जाती है, जिससे लिपस्टिक उभर जाती है और होठों की सुंदरता बढ़ जाती है।

लिप स्टेन

यह एक सुंदरता बढ़ाने का उत्पाद है जिसे की होठों को रंगने के लिए प्रयोग किया जाता है, यह तरल या फिर जेल के रूप में उपलब्ध है। यह सामान्यत लिपस्टिक की अपेक्षा लंबे समय तक रह पाता है, होठों पर इसका रंग लंबे समय तक रुकता है। हालांकि इससे होंठ सूखे हो जाते हैं, इसलिए सर्दियों में इसका इस्तेमाल न करने की सलाह दी जाती है।

खुदरा मूल्य और वज़न का चार्ट

ब्रांड→ / भारांक %	लैक्मे	एली 18	कलरबार	मैक	7 हैवेन	
खुदरा मूल्य(रुपए)/भार(ग्राम)	250/4.1	125/4	300/4.2	350/3.8	175/4	

जिन ब्रांड का परीक्षण किया गया

यह अध्ययन लिपस्टिक के 12 ब्रांडों का तुलनात्मक परीक्षण है, शेड के मामले में सभी एक दूसरे के करीब हैं–

रैंक	कुल अंक 100 (राउंडिड)	ब्रांड का नाम	उत्पादक/जिसके द्वारा बेचा गया	शेड कोड/नंबर
1	86	लैक्मे	हिन्दुस्तान यूनीलिवर	352 (रेड और मैरून)
2	84	एली18	हिन्दुस्तान यूनीलिवर	32 (रेड रफ)
3	82	7हैवेन	उल्लेख नहीं किया	रेड
3	82	मैक	मेकअप–आर्ट कॉसमेटिक	10 (रेड)
4	81	कलरबार	कलरबार कॉस्मेटिक	85वी (मेजेंटा)
4	81	मेबेलिन	एल'ओरियल इंडिया	एफ31(आइस्ड ऑर्चिड)
5	79	टोया पेरिस	उल्लेख नहीं किया गया	रेड
5	79	लिप्स	चेफर कॉस्मेटिक	आर–306 (रेड)
5	79	मेलिन	मेलिन कॉस्मेटिक	जी 879 गोल्ड रिच रेड
5	79	लोटस हर्बल	लोटस हर्बल	610 क्रिमसन रेड
6	78	कैम्लिओन	कैम्लिओन	508 (रेड)
7	77	ब्लू हैवेन	कॉस्मेटिक कॉर्पोरेशन	आर0001 (सेंसुअल रेड)

स्कोर रेटिंग: >90% बहुत अच्छा****, 71–90% अच्छा***, 51–70% औसत***, 31–50% खराब**, 30% से कम, बहुत खराब*

जांच के परिणाम

भौतिक–रसायन परीक्षण

• कितनी मात्रा लगती है

एक बार में लिपस्टिक का इस्तेमाल करने पर कितनी मात्रा लगती है, या कितनी लगाई जाती है इस आधार पर जांच की गई। मानक के आधार पर लिपस्टिक की मात्रा 0.0001 ग्राम/सेमी2 से अधिक लगनी चाहिए।

सभी ब्रांड इस जांच में सफल रहे क्योंकि सभी में न्यूनतम मात्रा से अधिक ही लगी। हालांकि यहां यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि लिपस्टिक की कम मात्रा

	मेबेलिन	मिलिन	लिप्स	लोटस हर्बल	कैम्लिओन	टोया पेरिस	ब्लू हैवेन
	250/4	190/3	125/4	345/4.2	240/3.8	165/4	150/4

फिज़ियोकेमिकल टैस्ट स्कोर

ब्रांड→ / मापदंड↓	मानक %	लैक्मे	एली 18	कलरबार	मैक	7 हैवेन	
सॉफ्टनिंग पॉइंट	10	9.5	9.5	8.0	9.5	8.5	
ब्रेकिंग लोड	10	8.86	7.67	5.94	6.47	9.73	
पेऑफ टैस्ट	12	10.53	9.27	11.68	11.05	11.47	
रेसिडिटि	6	6.0	5.70	6.0	6.0	4.89	
फ्रीडम फ्रॉम ग्रिटिनेस	5	5	5	5	5	5	

लगाना ही ठीक है जिससे कम खपत होगी।

- लिपस्टिक की सबसे कम मात्रा कलबार ब्रांड की लगी और सबसे अधिक ब्लू हैवेन की लगी।

• सॉफ्टनिंग प्वाइंट

लिपस्टिक का मुलायम/नरम रहना तापमान पर निर्भर है। इस जांच में यह परख की गई कि लिपस्टिक अधिकतम तापमान में स्थिर यूं ही बनी रहती है, फैलती तो नहीं। भारतीय मानक के अनुसार लिपस्टिक की सॉफ्टनेस पॉइंट के लिए कम से कम 55 डिग्री तापमान होना चाहिए।

- सभी ब्रांड में जरूरत के अनुकूल ही सॉफ्टनेस पाई गई।

• रेसिडिटि होना (पेरॉक्साइड वैल्यू)

भारतीय मानक के अनुसार लिपस्टिक में बासीपन (रेसिडिटि) 10 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

- केम्लिओन, कलरबार, लैक्मे और मैक में किसी प्रकार की रेसिडिटि नहीं पाई गई और इन्हें पूरे अंक मिले।
- अन्य ब्रांड में भी मानक के अंतर्गत ही रेसिडिटि पाई गई और इस्तेमाल में भी सुरक्षित रहे।

• ब्रेकिंग लोड

यह जांच बताती है कि लिपस्टिक बाहर निकालने पर वह टूटनी नहीं चाहिए, उसमें उसका न्यूनतम दबाव लेने की क्षमता होनी चाहिए। भारतीय मानक के अनुसार लिपस्टिक का न्यूनतम दबाव 200 तक होना चाहिए।

- सभी ब्रांड भारतीय मानक के इस नियम के अनुकूल रहे।

• किरकिरापन न हो

यह जांच लिपस्टिक में कोई छोटे–छोटे ठोस पदार्थ के अंश तो नहीं हैं यह देखने के लिए की गई। यह जांच

संवेदी परीक्षण परिणाम

ब्रांड →	एली 18	कलरबार	लोटस हर्बल	मिलिन	ब्लू हैवेन	
30 में से अंक मिले	20.85	20.53	20.44	20.03	19.98	

* संवेदी परीक्षण विशेषज्ञों द्वारा प्रयोगशाला में आयोजित किया गया, संवेदी परीक्षण में 150 महिलाओं को शामिल किया गया। सभी को विषयानुसार उनके विचार बताने के लिए मूल्यांकन प्रश्नावली दी गयी जिसमें उपयोक्ताओं अपने निर्णय के आधार पर (रेटिंग) अंक दिए। (1 अंक बहुत ज़्यादा नापसंद और 5 अंक बहुत ज़्यादा पसंद)

	मेबेलिन	मिलिन	लिप्स	लोटस हर्बल	कैम्लिओन	टोया पेरिस	ब्लू हैवेन
	8.5	9.0	8.5	7.0	9.0	9.0	8.5
	6.67	6.75	5.98	7.74	6.27	6.22	6.14
	10.84	9.06	11.26	9.16	9.48	11.37	8.64
	5.53	5.77	5.77	5.45	6.0	5.73	5.1
	5	5	5	5	5	5	5

नियमित लिपस्टिक इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं के लिए बेहद जरूरी थी कि कहीं लिपस्टिक में किसी किरकिरे पदार्थ की वजह से होठों पर खरोंच न बन जाएं।

- लिपस्टिक के सभी ब्रांड इस जांच में सफल रहे।

• भारी धातु

सामान्यतः देखा जाए तो लिपस्टिक लगाने वाले 2–3 बार रोजाना लगाते हैं और लगभग 24 मिलिग्राम लिपस्टिक रोज खा जाते हैं। तो ऐसे में लिपस्टिक को भारी विषैले तत्वों से तो मुक्त ही रखना जरूरी होता है। लिपस्टिक में लेड, क्रोमियम, कैडमियम, आर्सेनिक आदि तत्वों का इस्तेमाल किया जाता है। इन तत्वों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होने का खतरा रहता है। भारतीय मानक के अनुसार लिपस्टिक में लेड व आर्सेनिक की मात्रा 2 ppm और 20 ppm से अधिक नहीं होनी चाहिए।

- सभी ब्रांड भारतीय मानक द्वारा निर्धारित मात्रा के अनुकूल ही पाए गए।
- लैक्मे और मैक में सबसे कम भारी धातु की मात्रा पाई गई इसलिए इन्हें सबसे अधिक अंक मिले।

	लैक्मे	मैक	कैम्लिओन	लिप्स	मेबेलिन	7 हैवेन	टोया पेरिस
	19.66	19.62	19.61	19.46	17.55	17.23	17.20

- संवेदी जांच के सभी पहुलओं पर सारे ब्रांड ने संतुष्ट परिणाम दिए, खरे उतरे। ब्रांड एली–18, कलरबार और लोटस हर्बल ने सबसे अच्छे परिणाम दिए।

जीवाणु तत्व संबंधी जांच

निर्धारित मानक के अनुकूल परखने के लिए जीवाणुतत्व संबंधी जांच की गई। एक कुल जीव्य संख्या (टीवीसी) और दूसरे ग्राम नकारात्मक रोग जनकों के लिए की गई।

- सभी ब्रांड जीवाणुतत्व की दोनों जांच में न्यूनतम मात्रा व निर्धारित मात्रा के अनुकूल ही पाए गए। सभी इस्तेमाल करने के लिए सुरक्षित हैं।

संवेदी जांच

उत्पाद की संवेदी जांच क्लीनिकल रिसर्च ऑर्गेनाइज़ेशन (सीआरओ) द्वारा 150 महिलाओं पर की गई। जिसमें उनसे लिपस्टिक के प्रभाव, दृष्टिकोण, स्वीकार्यता व समग्र निर्णय के आधार पर घर में लगातार लिपस्टिक के इस्तेमाल कराकर कराई गई। उपयोगकर्ताओं को लिपस्टिक के नमूने सात दिन तक रोजाना एक बार लगाने के लिए दिए गए।

सामान्य मापदंड

• पैकिंग/मार्किंग/लेबलिंग/ कुल वज़न :

- लिपस्टिक की पैकिंग टैंपर–प्रूफ़, धूल प्रूफ़ और मजबूत डिज़ाइन वाले गत्ते के डिब्बे में की गई।
- सभी ब्रांड के उत्पाद की पैकेजिंग और लेबलिंग का खास खयाल रखा गया। हालांकि, केवल चार ब्रांडों (कलरबार, एली 18, लैक्मे, मेबिलिन) के पैक पर आवश्यक जानकारी की नहीं दी गई थी।
- लिप्स और मेलिन ने मात्रा की जानकारी नहीं दी।

उपयोगकर्ताओं ने विभिन्न विशेषताओं के बारे में निर्णय दिया :

1. लिपस्टिक लगाने के बाद होंठ कितने सुंदर दिखते हैं। (चमक, तेज)
2. क्या आपकी लिपस्टिक इस्तेमाल करने के बाद होठों के चारों तरफ फैल रही थी?
3. लिपस्टिक लगाने के बाद नमी का कितना प्रभाव रहा
4. लिपस्टिक लगाने के बाद होठों की बनावट पर कितना प्रभाव पड़ा, होंठ फटे–फटे या सूखे जैसे तो नहीं थे?
5. होठों की कोमलता और सहजता पर कितना प्रभाव पड़ा?
6. लिपस्टिक लगाने के बाद चार घंटे तक लगी रही।
7. लिपस्टिक की सुगंध/खुशबू कैसी थी?
8. पैकिंग और इस्तेमाल करने में आसान।
9. लिपस्टिक की समग्र गुणवत्ता।

लिपस्टिक की स्पष्टता निम्नलिखित जानकारी के साथ चिह्नित की जानी चाहिए–

क) निर्माण के स्रोत का संकेत
ख) शेड का नंबर या शेड का नाम
ग) बैच नं. कोड में या अन्य प्रकार से
घ) निर्माण का वर्ष
च) अधिकतम खुदरा मूल्य (रुपए)

- ब्लू हैवेन, मैक और कैम्लिओन का कुल वजन पैकेट पर दी गई जानकारी से कम पाया गया, अन्य ब्रांडों के अधिकांश वजन कम पाए गए लेकिन सीमा के भीतर ही पाया गया।

पाँच हजार साल पुरानी है लिपस्टिक :

- लिपस्टिक का इतिहास पाँच हजार साल पुराना है। मैसोपोटामिया सभ्यता के दौरान चेहरे को रंगने के लिए कई तरह के रंगीन पत्थरों के चूर्ण का उपयोग किया जाता था। किसी विशेष समारोह के दौरान महिलाएँ होंठों और आँखों के आसपास यह चूर्ण लगाया करती थीं। प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता की महिलाएं भी चेहरे की सजावट के लिए लिपस्टिक का उपयोग करती थीं।
- प्राचीन मिस्र में भी इसके प्रयोग के सबूत मिले हैं। महिलाएं आँखों और होंठों को रंगने के लिए फ्यूकस एल्गेन (एक प्रकार की घास), आयोडीन और ब्रोमाइन के मिश्रण का प्रयोग करती थीं।
- इतिहास की सर्वाधिक चर्चित सुंदरियों में से एक क्लियोपेट्रा तो हमेशा अपने चेहरे को रंग–रोगन किए रहती थी। लिपस्टिक को लोकप्रियता मिली द्वितीय विश्व युद्घ के दौरान, जब फिल्मों में इसका उपयोग किया जाने लगा। और आज यह महिलाओं के रूप निखारने का सबसे पसंदीदा माध्यम बना हुआ है।
- सभ्यता के विकास के साथ ही होंठ रंगने की चाहत पैदा हुई। बेबीलोन की महिलाओं ने एक कीमती पत्थर में आयोडीन और ब्रोमीन मिलाकर इसे ईजाद किया था, मगर जब यह सिंधु घाटी तक पहुंची, तो चटख हो गई। 16 वीं शताब्दी में महारानी एलिजाबेथ के शासनकाल में लिपस्टिक इंग्लैंड में पॉप्युलर हुई। उस समय इसमें मोम और हर्ब्स मिलाया गया। मगर उसी समय एक धार्मिक नेता ने फेस मेकअप को डेविल्स वर्क बताकर इस नायाब ईजाद का विरोध किया।
- 1770 में इंग्लैंड की पार्लियामेंट ने कानून बनाकर इस पर पाबंदी लगा दी और लिपस्टिक की लोकप्रियता कम होती गई। इसका चलन 1800 ई. में लगभग खत्म हो गया, क्योंकि महारानी विक्टोरिया ने इसे वल्गर घोषित कर दिया।
- द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद इसका क्रेज़ फिर अचानक बढ़ गया, जब रुपहले पर्दे के कलाकारों ने इसका व्यापक प्रयोग किया। 1930 में हेजल विशप ने जब किसप्रूव लिपस्टिक बाजार में उतारी तो इसकी धूम मच गई। दुनिया के सभी मुल्कों में इसे महिलाओं ने हाथोंहाथ लिया।
- हॉलिवुड में इसके नाम पर फिल्में भी बनीं। एक रिसर्च के मुताबिक आर्थिक मंदी के दौरान सभी लग्जरी उत्पादों की बिक्री कम हो गई थी मगर लिपस्टिक सौंदर्य के चहेतों के दिलों पर राज करती रही। इसकी बिक्री कभी कम नहीं हुई। आज यह दस रुपये में भी मिल जाती है। ग्यूरलेन किसकिस गोल्ड और डायमंड दुनिया की सबसे महंगी लिपस्टिक है। ओलिवर इचेवडेमैसन की बनाई इस 110 ग्राम वाली लिपस्टिक की कीमत 62 हजार डॉलर है।

नोट– उपरोक्त जानकारी गूगल की विभिन्न विश्वसनीय वेबसाइट से ली गई है।